वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने मनाया हिन्दी सप्ताह उद्घाटन समारोह

भारत संघ की अखण्डता और अस्मिता के महान उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हमारें संविधान प्रणेताओं ने 1949 के 14 सितबंर को हिन्दी को राजभाषा के रुप में स्वीकृति दी थी। इसी महत्वपूर्ण दिन को स्मरण करते हुए वर्षा वन अनुसंधान संस्थान में दिनांक 15 से 19 सितंबर, 2014 तक हिन्दी सप्ताह समारोह आयोजन किया जा रहा है। हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ 15 सितंबर के प्रातः उदघाटन समारोह के साथ किया गया जिसमें संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी और शोधार्थी उपस्थित थें। कायक्रम का शुभारंभ पारंपरिक तरीके से दीप प्रज्वलित करके किया गया। हिन्दी अनुवादक श्री शंकर शर्मा ने संस्थान में हो रही राजभाषा गतिविधियों संबंधी संक्षिप्त लेखा - जोखा सभा के समक्ष रखा। इसमें राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा अब तक किए गये कार्यों के बारे में सभा को अवगत किया गया। उन्होंने सप्ताह भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रुपरेखा सभा के समक्ष रखते हुए कहा कि इस बार कविता पाठ, निबंध, आशुभाषण, राजभाषा ज्ञान, वाद-विवाद तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी। इसके बाद डॉ. पी. के. वर्मा, कार्यकारी हिन्दी अधिकारी ने माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह के हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में जारी किए गये संदेश को सभा के सम्मुख प्रस्तुत किया।

उपस्थित सभासदों में से श्री राजीब कुमार कलिता , वैज्ञानिक-ई ने हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा उठाए गये कदमों की सराहना की तथा सबकों विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आह्वान किया। श्री कलिता ने अपने वक्तव्य में कहा कि हिन्दी में बहुत अधिक व्यापकता है तथा देश में ही नहीं कई विदेशों में हिन्दी का पठन -पाठन हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि हिन्दी में आसानी से काम किया जा सकता है।संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ . अरुण प्रताप सिंह ने हिन्दी को जनमानुष की भाषा बताया जो पूरे देशके जन को एक दूसरे से जोड़ती हैं। श्री गिरिन्द्र ठाकुरीया , अनुसंधान अधिकारी ने हिन्दी सप्ताह समारोह पर सबको शुभकामनाएं दी। सभा के मध्य हिन्दी परीक्षा सफलता पूर्वक पास करने वाले संस्थान के कुल 18 कार्मिकों को नक़द पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गयें। इसके बाद सभा के अध्यक्ष डॉ. आर. के. बोरा, समूह समन्वयक (अनु.) ने राजभाषा हिन्दी के महत्व के बारे में बता ते हुए कहा कि सरकारी काम करने के लिए हिन्दी पूर्णतः सक्षम है, केवल में व्यावहार में लाने की देर है। अपने मन में झिझक दूर करने और मानसिकता में परिवर्तन लाने के लिए उन्होंने सबका आह्वान किया। अपने भाषण में उन्होंने सभी को हिन्दी सप्ताह सफल बनाते हुए सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आह्वान किया तथा हिन्दी सप्ताह समारोह की औपचारिक शुभारंभ की घोषणा की। अंत में श्री शंकर शर्मा ने सबका धन्यवाद ज्ञापन किया।

हिन्दी सप्ताह के प्रथम दिन अर्थात् दिनांक 15 सितंबर को कविता पाठ एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने स्वलिखित व अन्य द्वारा लिखित कविताओं का पाठ किया। निबंध लेखन के विषय थें – क) भारत की अखण्डता में हिन्दी का महत्व , ख) जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, और ग) वर्षा वन अनसंधान संस्थान – एक परिचय। प्रतियोगिताओं में काफी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया।

हिन्दी सप्ताह के उदघाटन समारोह की झांकिया

हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ

दिया प्रज्वलन से हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ

कार्यकारी हिन्दी अधिकारी तथा हिन्दी अनुवादक द्वारा सम्बोधन

विभिन्न हिन्दी परीक्षाओं में उत्तीर्ण कर्मचारीओं को प्रमाण पत्र वितरण

संथान के समूह समन्वयक अनुसंधान द्वारा उपस्थित लोगों को सम्बोधन

कविता पाठ प्रतियोगिता के कुछ झांकिया

कविता पाठ प्रतियोगिता के कुछ झांकिया

निबंध लेखन प्रतियोगिता
के कुछ झांकिया

निबंध लेखन प्रतियोगिता के निर्णयाक
मंडली